TOURIST TRAFFIC TO KASHMIR

137. SHRI M. VALIULLA: Will the Minister for TRANSPORT be pleased to state:

(a) the number of tourists who visited Kashmir in 1955; and

(b) how many of them belonged to foreign countries?

THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRI O. V. ALAGESAN): (a) 51,025.

(b) 2,830.

f[WooD FOR THE RAILWAYS

रेलों के वास्ते लकड़ी

१३८. **श्री नवाब सिंह चौहान** : क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) रेल मंत्रालय अंडमान और निकोबार द्वीप समूह की लकड़ी की अपनी जरूरत पूरी करने के लिये क्या कार्यवाही कर रहा है ;

(ख) इंगलिस्तान और सूडान को जो गुर्जन लकड़ी निर्यात की जा रही है, क्या उसके उपयोग के बारे में कोई प्रयोग किया गया है ; और

(ग) यदि हां, तो क्या भारतीय रेलों ने इस लकड़ी को इस्तेमाल के लायक पाया है ?

138. SHRI NAWAB SINGH CHAUHAN: Will the Minister for RAILWAYS be pleased to state:

(a) the action being taken by the Ministry of Railways to meet their demand for wood from Andaman and Nicobar Islands;

(b) whether any experiments have been carried out for the use of Gur j an wood, which is being exported to the United Kingdom and Sudan; and

(c) if so, whether the wood has been found fit for use by the Indian. Railways?]

रेलवे तथा परिवहन उपमंत्री (श्री ओ० वी० अलगसेन) : (क) पिछले दो वर्षों से रेल मंत्रालय इस बात की जांच कर रहा है कि क्या अंडमान की इमारती लकड़ी रेलवे के काम में, खास तौर पर स्लीपरों के लियें, इस्तेमाल की जा सकती है। मंत्रालय नें इस सम्बन्ध में अंडमान-निकोबार द्वीप के मुख्य वन-संरक्षक (Chief Conservator of Forests) और उत्तरी अंडमान के जंगलों के पट्टेदारों से बात-चीत की है। देहरादून की वन अनुसंधानशाला से भी सलाह ली गयी है कि अलग-अलग काम के लियें खास तौर पर स्लीपरों के लियें, किस किस्म की इमारती लकड़ी ठीक होगी।

(ख) और (ग). जी नहीं। वन अनुसंधान शाला, देहरादून नें अंडमान की गुर्जन लकड़ी की जांच की है और उनका कहना है लकड़ी की मजबूती को देखते हुयं, यह लकड़ी स्लीपरों के लिये ठीक होगी, लेकिन स्लीपर बनानें से पहले इस के बचाव का उपाय (preservative treatment) करना होगा।

t[THE DEPUTY MINISTER FOR RAILWAYS AND TRANSPORT (SHRT O. V. ALAGESAN): (a) The Ministry of Railways have been investigating the possibility of using Andaman timbers for railway purposes, particularly for sleepers, since last 2 years. They have, in this connection contacted the Chief Conservator of Forests, Andaman and Nicobar Islands as well as the lessees of Northern Andaman forests and consulted the Forest Research Institute, Dehra Dun, regarding the suitability of different kinds of timber for various purposes particularly for sleepers.

(b) and (c). No Sir. The Forest Research Institute Dehra Dun have, however, tested some of the Andaman-

fEnglish translation.